ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-09-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-09-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-09-03	2022-09-04	2022-09-05	2022-09-06	2022-09-07
वर्षा (मिमी)	25.0	40.0	50.0	20.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	22.0	22.0	23.0	24.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	14.0	14.0	14.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	95	95	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	8.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	140	130	130	130	100
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	5	4	5	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 22.0 से 24.0 व 14.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/ घंटे की गति से पूर्व-उत्तर-पूर्व व दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। चेतावनी: आगामी पांच दिनों में, कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरने,ओला और तेज बौछारें पड़ने तथा 3 व 5 सितम्बर को कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। ईआरएफएस के अनुसार, 7 से 13 सितम्बर के दौरान राज्य में वर्षा तथा अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि नैनीताल जिले के लिए एनडीवीआई 0.2-0.5 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम से अच्छी है तथा एसपीआई मानचित्र पिछले 4 हफ्तों (28 जुलाई से 24 अगस्त के दौरान) से जिले में हल्की नमी की स्थिति दर्शाता है | किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) ओं और ऐप सेंटसें र (आईओएस उपयोगकर्ताओं) ओं से डाउनलोड किया जा सकता है| पशुओं को बारिश का पानी न पिलायें व खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें तथा रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें। अत्यधिक वर्षा के कारण फल पौधों के थालों में एकत्रित पानी के निकास की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए, किसान भाई खेतो में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रेपसीड	खाली खेत मे तोरिया (लाही) की बुवाई इस माह के प्रथम पखवाड़े में करें। तोरिया कम अवधि की फसल है। अतः तोरिया की कटाई के बाद गेहूँ की विलम्ब दशा में बुवाई कर सकते है।
मूली	घाटी क्षेत्रों में, मूली एवं शलजम की बुवाई मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
चावल	फसल में जल निकासी की उचित व्यवस्था करे। धान में कहीं-कहीं पर बैक्टीरिया जनित झुलसा रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। जीवाणु झुलसा को फैलने से रोकने के लिए, खेत में जलभराव नहीं होना चाहिए। साथ ही खेत में नाइट्रोजन की मात्रा को रोक दें और बीमारी का प्रकोप अधिक होने पर, कॉपर ओक्सीक्लोराइड 500ग्राम तथा स्टेपटोसाइक्लिन 15ग्राम, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिकाव करें। छिड़काव करने के पूर्व खेत से पानी निकाल दें तथा यूरिया का प्रयोग न करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
सोयाबीन	खेत में जल निकास की समुचित व्यवस्था बनायें रखें। सोयाबीन की फसल मे सफेद मक्खी का प्रकोप होने पर इससे बचाव हेतु, आक्सीडिमेटॉन मिथाइल 25 ईसी का 2 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर खेत में छिड़काव करें।
गन्ना	खेत में जल निकास की समुचित व्यवस्था बनायें रखें। गन्ने की फसल में, सफेद मक्की के लिए थियामेथोक्ज़ाम 25 डब्लू जी का 125 ग्राम/है या व्हाइट ग्रब या कुरमुला कीट की रोकथाम हेतु फिप्रोनिल 40 प्रतिशत तथा इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लू जी का 500 ग्राम/है0 की दर से खेत में प्रयोग मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जी पीईए	भावर क्षेत्र में सब्जी मटर की बुवाई इस माह कर सकते है।
पालक	घाटी क्षेत्रों में सितम्बर से अक्टूबर माह में पालक की बुवाई कर सकते है।
मिर्च	खेत में बरसात के दौरान जल निकास की समुचित व्यवस्था बनायें रखें। मिर्च की फसल में ऊपर से डन्ठल काले पड़कर सूखने की समस्या की निदान हेतु संक्रमित शाखाओं को तोड़कर हटा दें एवं फल सड़न की समस्या हेतु कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
टमाटर	खेत में जल निकास की समुचित व्यवस्था बनायें रखें। टमाटर की फसल मे पत्तियो पर धब्बे पड़ने एवं झुलसने पर मैनकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछियो का माँ से दूध छः महीने के बाद ही छुड़वाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे तरीके से हो सके।
भेंस	पशुओं के पैर की सड़न जैसी फूटरॉट नामक बीमारी को रोकने हेतु पशुओं के खुरों/पैरों को 10 प्रतिशत फॉर्मेलीन अथवा 5 प्रतिशत नीले थोथे के घोल में सुबह-शाम 2-3 मिनट तक डुबोएं। उक्त प्रक्रिया 3 दिनों तक करें।